eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 09, September 2023

स्मार्टफोन ऐप्स व महिला सुरक्षा

1मनीष पटेल
1असिस्टेंट प्रोफेसर (समाजशास्त्र) वी.म.ल. राजकीय महिला महाविद्यालय, झाँसी

Received: 31 August 2023 Accepted and Reviewed: 31 August 2023, Published : 10 September 2023

Abstract

महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न आधुनिक युग में भी चिंता का विषय बना हुआ है। हम जैसे–जैसे वैज्ञानिक प्रगति कर रहे हैं वैसे–वैसे महिलाओं की सुरक्षा की नई चुनौतियाँ भी हमारे सामने आ रही हैं। हर दिन महिलाएँ आपराधिक घटनाओं का शिकार हो रही हैं। महिलाओं के प्रति आपराधिक घटनाओं से निबटने में अब तकनीक एक प्रमुख हथियार के रूप में सामने आई है। डिजिटल प्रौद्योगिकी व 4G/5G तकनीक ने इसे और मजबूत बना दिया है। आज अधिकांश महिलायें स्मार्टफोन का प्रयोग करती हैं। महिला सुरक्षा के लिये नित नए ऐप्स विकसित हो रहे हैं जो महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। उदाहरण आई.एम. सेफ, मी अगेस्ट रेप, दामिनी, हिम्मत, पैनिक बटन तथा सर्कल्स ऑफ सिक्स आदि। ये सुरक्षा ऐप्स एक आधुनिक तकनीक है जो महिलाओं की सुरक्षा के लिये स्मार्टफोन के जरिए एक सरल व प्रभावशाली प्लेटफार्म उपलब्ध कराते हैं। ये ऐप्स एक क्लिक में ऐक्टिव हो जाते हैं और महिला द्वारा दिये गये नंबर पर मैसेज या कॉल स्वतः चले जाते हैं। इससे महिला के संकट में होने का संकेत मिल जाता है और उसकी लोकेशन ट्रेस हो जाती है। इससे विपरीत स्थिति में महिला को तत्काल मदद उपलब्ध करा पाना सम्भव हो पाता है।

प्रस्तुत शोधपत्र में महिला सुरक्षा के दृष्टिगत मोबाइल ऐप्प की उपादेयता तथा हाल के वर्षों में इन ऐप्स के बढ़ते प्रयोग को जानने का प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्दः – स्मार्टफोन, महिला सुरक्षा, जी. पी. एस. तकनीक तथा मोबाइल ऐप्स।

Introduction

वैश्वीकरण आज के युग का यथार्थ है। इसके प्रभाव से विश्व का कोई भी देश अछूता नहीं है। इसने महिलाओं को भी व्यापक रूप से प्रभावित किया है। आज महिलाएँ ग्लोबल सिटीजन बन रही हैं। आज की महिलाएं आत्मविश्वास से परिपूर्ण आत्मनिर्भरता प्राप्त कर रही हैं। वे आज महिलाओं के परम्परागत कार्यक्षेत्रों को पीछे छोडते हुए चुनौतीपूर्ण दायित्वों इंजीनियर, पायलट, पत्रकार व सैनिक आदि को ग्रहण कर रही हैं। आज देश में स्मार्टफोन का प्रयोग बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत में लगभग 65 करोड़ स्मार्टफोन उपयोगकर्ता मौजूद हैं। इनमें से 40: महिलाएं है। भारत में अधिकांश महिलाएं घर से बाहर निकलकर कामकाजी भूमिका में शामिल हो रही हैं। हमारा देश सदैव इस बात का समर्थक रहा है कि ''जहाँ महिलाओं का निवास होता है वहाँ देवता बसते है।'' परन्तु यथार्थ के धरातल पर हम महिलाओं की प्रस्थिति का आकलन करें तो हम पाते हैं कि महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न जहाँ की तहाँ है। हम आधुनिक होने के कितने भी दावे कर लें परन्तु महिलाओं के प्रति हमारी सोच आज भी पितृ सत्तात्मक व सामंतवाद से बाहर नहीं आ पाई है। फिर जब आज अधिकांश

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 09, September 2023

महिलाएं कामकाजी भूमिका के निर्वहन के लिए घर से बाहर निकल रही है तब तो उनकी सुरक्षा का प्रश्न और भी बढ़ जाता है।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधः– भारत में हाल में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामलों को हम राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के इन आँकड़ों से देख सकते हैं–

क्रमांक	वर्ष	महिलाओं के प्रति अपराध
1	2017	359849
2	2018	378236
3	2019	405861
4	2020	371503
5	2021	428278

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है। इस स्थिति से निबटने में तकनीक का प्रयोग मददगार सिद्ध हो सकता है। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को देखते हुए वर्तमान में महिला सुरक्षा हेतु तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। आज स्मार्टफोन पर आधारित अनेक ऐप्स विकसित हो रहे हैं जो संकट की घड़ी में उसकी मदद करने में सक्षम हैं। ये एक आकस्मिक क्लिक पर सक्रिय हो जाते हैं और महिला द्वारा किसी भी आकस्मिकता में मदद पाने हेतु दर्ज नंबर पर स्वतः सन्देश या कॉल कर देते हैं। साथ ही मोबाइल फोन की वर्तमान लोकेशन बता देते हैं। इससे महिला संकट में है और वह उस समय कहाँ पर है? यह ज्ञात हो जाता है। इससे संकटग्रस्त महिला तक पुलिस का पहुँच पाना और उसकी मदद कर पाना आसान हो जाता है। स्मार्टफोन में प्रयोग किए जा रहे कुछ प्रमुख ऐप्स हैं –

i- **रक्षा (Raksh)–** इस ऐप्प में एक बटन को प्रेस करने से आपके अपनों को आपकी वर्तमान लोकेशन प्राप्त हो जाती हैं। इस ऐप्प में महिलाओं को सुरक्षा टिप्स, महिला कानून, आत्मरक्षा के चित्र व वीडियो चेट वोट फीचर तथा आपात स्थिति अलर्ट की सुविधा भी दी गई है।

ii- **सर्किल ऑफ सिक्स –** दो टैप के साथ यह ऐप जो जी. पी. एस पर आधारित है और आपातकालीन हॉटलाइन और सामुदायिक सहायता का उपयोग करके यौन उत्पीड़न व हिंसा के समय उपयोगकर्ता को विश्वसनीय दोस्तों के नेटवर्क से जोड़ता है।

iii- **सेफ्टीपिन –** यह ऐप प्रयोग के जी. पी. एस. लोकेशन को लगातार ट्रैक करता है। आपातकाल के दौरान यह उपयोगकर्ता को आपातकालीन नम्बर पर वन टच अलर्ट मैसेज भेज देता है ताकि वह किसी अनहोनी घटने के पहले ही सावधान हो जाए। साथ ही यह उपयोगकर्ता को नजदीकी सुरक्षा स्थानों के बारे में भी अवगत कराता है।

iv- **शेक 2 सेफ्टी (Shake 2 Safety)–** इसमें प्रयोगकर्ता फोन को हिलाकर या पावर बटन की चार बार दबाकर अपने परिजन व मित्र को संदेश भेज सकता है। इसके द्वारा आपात की स्थिति में आसानी से खतरे का संदेश भेजा जा सकता है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 09, September 2023

v- **बी सेफ (b safe)–** यह ऐप महिला उपयोगकर्ता की लाइव लोकेशन को जानने के उसके परिजन व मित्रों की मदद करता है। यह आपात की स्थिति में ैै फीचर की मदद से सभी आपात कान्टेक्ट लिस्ट वाले व्यक्तियों को जी.पी.एस. लोकेशन के साथ सन्देश भेजता है।

vi- **स्मार्ट 24'7 (Smart 24*7)–** इस ऐप से महिलाएं संदिग्ध परिस्थितियों में एस ओ एस मैसेज से चुनिंदा लोगों को सन्देश भेज सकती हैं। संदिग्ध परिस्थितियों के लिए इसमें पैनिक बटन का भी प्रावधान है।

vii- **चिल्ला (Chill)–** एक ऐसा व्यक्तिगत सुरक्षा ऐप है जो केवल एक तेज चीरव से ही स्वचालित रूप से सक्रिय हो जाता है और परिजनों व मित्रों को तुरन्त संदेश भेज देता है।

viii- **सिक्योर हर ऐप (Secure Her App) –** इस ऐप के द्वारा महिला मुश्किल घड़ी में अपने परिवार व करीबी लोगों को सन्देश भेज सकती है। इस ऐप में महिला को बस दो बार ही ऐप के आइकन को टैप करना होता है, फिर एस ओ एस मैसेज महिला के सम्पर्क सूत्र स्टे सिक्योर ैजंलैमबनतम) तक पहुँच जाता है।

ix- **टैक्सी पिक्सी (Taxi Pixi)–** यह अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं को उन जगहों पर सस्ते किराये पर कैब सेवा प्रदान करता है जहाँ सार्वजनिक परिवहन की सुविधा कम उपलब्ध होती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य बहुत से ऐप दामिनी, इंदिरा शक्ति, स्टे सिक्योर, वाच ओबर आदि भी उपलब्ध हैं। तकनीक के उपयोग के अपने खतरे भी हैं। कई ऐप्स हमसे जुड़ी निजी जानकारियों व सूचनाओं तक पहुँच की अनुमति माँगते हैं। इसके बिना वे ऐप्स प्रयोग में नहीं लाए जा सकते। इस कारण छात्राओं व कामकाजी महिलाओं को इन ऐप्स के बारे में जागरुक करने तथा सुरक्षित रहने के लिए 'पुलिस की पाठशाला' जैसे प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जाना जरूरी है।

इन सबके बावजूद महिला सुरक्षा का प्रश्न अंततः पुरुष मानसिकता से जुड़ा है जो आज भी सामंतवादी सोच से ही संचालित है। इसलिए इस जड़ता को तोड़ने और उनकी मानसिकता को बदलने का कार्य भी बहुत महत्वपूर्ण है।

संदर्भ सूची–

1. पटेल, मनीष (2021), ''छात्राओं द्वारा स्मार्टफोन का प्रयोगः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन'', अक्षर वार्ता, उज्जैन, दिसम्बर 2021, पृ070
2- https : // ncrb.gov.in
3- http:// www.indiatimes.com
4- टॉप 12 वुमन सेफ्टी ऐप्स https:// www.merisaheli.com
5. कुमार,रा. (2009), इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सायवर संचार पत्रकारिता, नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
6. राठी, पूजा (2022), ''महिलाओं की सुरक्षा में कितनी मददगार है टेक्नॉलॉजी'' mhindi.feminisminIndia.com, 19 दिसम्बर
7. महिलाओं की सुरक्षा के लिए ये 8 सेफ्टी ऐप्स है जरूरी chahalpahal.in, 26 मई 2021